P.E.I. 4th 11 a.m. 12/06/2020 Wednesday

शैक्षिक प्रबन्धन एवं प्रशासन

— Edu - 08

पाठ्य सहगामी क्रियाओं का अर्थ :-

"पाठ्येत्तर क्रियाएँ विद्यालय का आन्तरिक भाग है, जिनका कार्य एक नियोजित संगठन तथा मजबूत विचारों का निर्माण करना है।" — माध्यमिक शिक्षा आयोग के अनुसार

पाठ्य सहगामी क्रियाओं के उद्देश्य :-

1 → बालकों के सर्वांगीण विकास में योगदान।
2 → विद्यालय की शैक्षिक तथा चारित्रिक भावना को उन्नत करना।
3 → अवकाश का सदुपयोग करने हेतु तैयार रहना।
4 → बालकों में सहयोग तथा सह-अस्तित्व की भावना का विकास करना।
5 → कुशल लोकतन्त्रीय नागरिकता का अर्जन।

पाठ्य सहगामी क्रियाओं के आयोजन की आवश्यकता :-

→ शक्तियों को सृजनात्मक तथा रचनात्मक कार्यों में लगाना।
→ सामाजिक भावना, सामाजिक आचार-विचार या समाज सेवा आदि गुणों का विकास।
→ विद्यालय आकर्षण का केन्द्र।

पाठ्य सहगामी क्रियाओं की उपयोगिता :-

"इन क्रियाओं द्वारा बालकों का शारीरिक, मानसिक, नैतिक तथा सामाजिक विकास होता है।" इन क्रियाओं की उपयोगिता इस प्रकार है —

(1) पाठ्य सहगामी क्रियाओं का प्रयोग अभिरुचियों के विकास में।
(2) विद्यालय के पाठ्यक्रम को उन्नत बनाने में।
(3) विद्यालय प्रशासन एवं व्यवस्था को अधिक प्रभावशाली बनाना।
(4) स्थानीय समुदाय के विकास में महत्वपूर्ण योगदान।

End